केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 344 सोमवार 8 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

आम महोत्सव में शामिल होंगी बस्ती की 150 किस्में

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लखनऊ में 12 से 14 जुलाई तक शहीद पथ स्थित अवध शिल्पग्राम में आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बस्ती के औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आम की 150 किस्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है। जिसमें आम की रंगीन किस्मों पूसा प्रतिभा, पूसा श्रेष्ठ, पूसा सूर्या, पूसा पीताम्बर, पूसा लालिमा, अम्बिका, अरुनिका, सेंसेसन और टॉमी एटकिन्स सहित कई ऐसी किस्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो अपने रंग, स्वाद और बनावट की वजह से लोगों का मन मोह लेने वाला होता है।

संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया की बस्ती का औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र बस्ती आम की किस्मों के मामले में पूरे देश में अहम स्थान रखता हैं। उन्होंने बताया की इस बार महोत्सव में बस्ती जनपद के स्टाल पर प्रदर्शित किये जाने वाली आम की रंगीन किस्में लोगों को एक बार फिर से आकर्षित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया की आम महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जायेगा।

छात्र नेता आकाश शुक्ल के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी नेता एवं एपीएन पीजी कॉलेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आकाश शुक्ल का शनिवार को निधन हो गया। वह काफी दिनों से एक गंभीर बीमारी से ग्रसित थे, जिनका उपचार मेदांता दिल्ली में हो रहा था। इलाज के दौरान उन्होंने अस्पताल में ही अंतिम सांस ली।

निधन के सूचना मिलते ही जिलेभर में शोक की लहर दौड़ पड़ी। शहर के तुर्कहिया निवासी आकाश शुक्ल पिछले साल ही शादी के बंधन में बंधे थे। आकाश तीन भाइयों में मझले थे। निधन के बाद पत्नी, मां और दोनों भाइयों समेत परिवार के लोगों को रो–रो कर बुरा हाल है। आकाश की मौत पर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, मनमोहन श्रीवास्तव, घनश्याम शुक्ल, आलोक पांडेय ने संवेदना व्यक्त की है।

रोटरी ने रोपे पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती मिडटाउन ने रोटरी सत्र 2024–25 की शुरुआत वृक्षारोपण जैसे पुनीत कार्यक्रम के द्वारा किया। इस अवसर पर वृक्षारोपण विषय पर प्रकाश डालते हुए रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ सदस्य डा0 अश्वनी कुमार सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण के द्वारा हम अपनी अगली पीढ़ी को सुरक्षित जीवन का उपहार देते है साथ ही पर्यावरण संतुलन में हम अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं।

वृक्षारोपण कार्यक्रम पूर्व अध्यक्ष रो0 जगदीश्वर प्रसाद सिंह ओम जी के मरवटिया स्थित आवासीय परिसर में क्लब सदस्यों के द्वारा किया गया। जहां आम, लीची, बेल, आंवला के कुल 20 पौधे लगाए गए। इस अवसर ओम जी ने कहा कि उनका परिसर विभिन्न प्रकार के पुष्प और फलों से आच्छादित है आज रोटेरियन साथियों ने वृक्षारोपण के संकल्प से इसे जोड़ा है। अध्यक्ष अभितेष श्रीवास्तव एवं सचिव विवेक वर्मा ने बताया कि पूरे सत्र में रोटरी मंडल के दिशा निर्देशों के अनुसार मानवता एवं साहचर्य के कार्य किए जायेंगे। रोटेरियन प्रमोद गाडिया, राजन गुप्ता, अरुण भनिरामका, आशीष कुमार, महेंद्र सिंह, मयंक श्रीवास्तव, आदि शामिल रहे।

मुठभेड़ में 6 आतंकी ढेर: 2 सैनिक शहीद

श्रीनगर (आभा)। जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा बलों ने 2 और आतंकवादियों के शव बरामद किए हैं। इस तरह कुलगाम जिले में रविवार को हुई दो मुठभेड़ों में मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कुलगाम जिले के 2 गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया, मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। चिन्नीगाम मुठभेड़ स्थल से 4 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए थे। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पैरा कमांडो समेत 2 सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। बताया जा रहा है कि आतंकवाद विरोधी अभियान अभी जारी है।

जम्मू–कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (क्ळच्) आरआर स्वैन ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुलगाम मुठभेड़ में 6 आतंकवादी मारे गए हैं। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आतंक विरोधी ऑपरेशन जोर पकड़ रहे हैं। सुरक्षा माहौल को मजबूत करने में ऐसी सफलताओं के महत्व पर उन्होंने जोर दिया। स्वैन ने कहा, श्सुरक्षा बलों के लिए यह मील का पत्थर है। ये सफलताएं सुरक्षा माहौल को मजबूत करने में अहम हैं। लोग आतंकवाद को खत्म करने के लिए एक साथ आ रहे हैं और इस तरह के ऑपरेशन गति पकड़ रहे हैं। फिलहाल ऑपरेशन जारी है।'

दूसरी ओर, जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में सेना के शिविर पर संदिग्ध आतंकवादियों के हमले में एक जवान घायल हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने मंजाकोट इलाके में सेना के शिविर पर तड़के गोलीबारी की। उन्होंने कहा, श्सेना के जवानों ने तेजी से कार्रवाई की और अपनी पोजीशन ले ली और गोलीबारी का करारा जवाब दिया।' सूत्रों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान एक जवान को गोली लगी और उसे तुरंत वहां से निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि सेना ने पुलिस के साथ मिलकर आतंकवादियों को पकड़ने के लिए इलाके में व्यापक तलाश अभियान शुरू किया है।

महुआ मोइत्रा की मुश्किले बढ़ीः मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली (आभा)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाथरस कांड के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा के खिलाफ किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर महुआ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नए आपराधिक कानून के तहत महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने को लेकर मामला दर्ज हुआ है।

यूपी के हाथरस में पिछले दिनों 'भोले बाबा' के सत्संग में भगदड़ मच गई थी, जिसके बाद 121 लोगों की जान चली गई। इस हादसे के बाद महिला आयोग प्रमुख रेखा शर्मा घटनास्थल पर पहुंची थीं। सामने आए वीडियो में रेखा शर्मा के लिए किसी और ने बारिश से बचाने के लिए छाता पकड़ा हुआ था। इस पर महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लिखा था कि वह अपने बॉस का पजामा संभालने में बहुत व्यस्त हैं। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद महुआ ने अपने पोस्ट को हटा लिया है।राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने अपनी अध्यक्ष रेखा शर्मा के विरुद्ध तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा की आपत्तिजनक टिप्पणी पर स्वतरू संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कहा था।

बस्ती शुगर मिल और मजदूर संघ के बीच समझौते का पालन कराये सरकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बस्ती शुगर मिल के स्क्रैप नीलामी में शिव शक्ति चीनी मिल मजदूर संघ, यूनियन तथा मिल प्रबन्धन के बीच हुए आपसी समझौते की सहमति पत्र का अनुपालन कराये जाने का आग्रह किया है।

-पूर्व विधायक संजय प्रताप ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि गत 21 जुलाई 2023 को नामित सात सदस्यीय कमेटी के मेम्बरो की निगरानी में शिव शक्ति चीनी मिल मजदूर संघ, बस्ती (उ0प्र0) यूनियन तथा मिल प्रबन्धन के बीच हुए आपसी समझौते की सहमति पत्र का अनुपालन कराये जाने का आग्रह किया है।

बावजूद मिल प्रबन्धन एवं यूनियन के बीच 10 विन्दुओं पर हुए समझौते में एक भी विन्दु पर सहमति पत्र का अनुपान नही कराया जा रहा है। इससे मिल कर्मचारियों के बकाया भुगतान में पारदर्शिता नही हो पायेगी तथा इनके सामने भुखमरी की और भी विकट समस्या उत्पन्न हो जायेगी।

उन्होने आग्रह किया है कि इस प्रकरण को गम्भीरता से संज्ञान में लेते हुए बस्ती शुगर मिल के स्क्रैप की नीलामी सहमति पत्र का अनुपालन कराते हुए पारदर्शी तरीके से कराया जाय जिससे कर्मचारियों के साथ न्याय हो सके।

सताने लगा बाढ का खतरा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मनोरमा नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही दुबौलिया क्षेत्र के नागवीर, पकड़ी चौहान सहित आधा दर्जन से ज्यादा गांव के लोगों को बाढ़ की चिंता सता रही है। मनोरमा नदी में आने वाली बाढ़ से बचाव के लिए हर्रैया और पंडूल घाट के बीच मौजूद तटबंध पर दो स्थानों पर बने रेग्युलेटर का आधा दर्जन से फाटक चोरी चला गया है। बाढ़ का पानी अगर गांव में घुसा तो सैकड़ों बीघा धान और गन्ने की फसल जलमग्न होने के साथ गांव में तबाही आ सकती है।

ग्रामीणों का कहना है कि चोरी की घटना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने जल्द से जल्द दूसरा फाटक लगवाने का भरोसा दिया था, लेकिन बरसात शुरू हो जाने के बाद भी कोई काम नहीं हुआ। बाढ़ खंड प्रथम के जेई संजय कुमार सिंह का कहना है की रेग्युलेटर बनकर आ गया है, जल्द लग जाएगा।

बाढ़ का पानी गांव में नहीं घुसने पाए तथा गांव से बरसात का पानी मनोरमा नदी में चला जाए, इसके लिए नागवीर गांव के पास पांच व पकड़ी चौहान के पास एक रेग्युलेटर तटबंध पर बनाया गया है। रेग्युलेटर के रास्ते गांव से पानी नदी में जाता रहता है। जब नदी में जलस्तर बढ़ता है तो रेग्युलेटर पर लगे फाटक बंद हो जाते हैं, नदी का पानी गांव में नहीं घुसने पाता है। उभाई, पेंदाघाट, सिकटिहवा, बेमहरी, पकड़ी चौहान, मझियार, भरूकहवा, जोगहटा, सिंगहा राजा, जोगापुर, नागवीर, गोंसाई का पुरवा, चिलबिला आदि गांवों की बचत इन रेग्युलेटर से होती है।

हाथरस भगदड़ कांड को लेकर राहुल गांधी ने लिखी मुख्यमंत्री योगी को चिट्ठी, मुआवजा राशि बढाने की मांग

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाथरस भगदड़ कांड को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने अपने पत्र के माध्यम से मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने खुद एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। राहुल गांधी लिखते हैं, हाथरस में भगदड़ हादसे से प्रभावित पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर, उनका दुख महसूस कर और समस्याएं जान कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र के माध्यम से उनसे अवगत कराया।

राहुल गांधी ने कहा, 'मुख्यमंत्री से मुआवजे की राशि को बढ़ाकर शोकाकुल परिवारों को जल्द से जल्द प्रदान करने का आग्रह किया। इस दुख की घड़ी में उन्हें हमारी सामूहिक संवेदना और सहायता की आवश्यकता है।'

हाथरस में मंगलवार को प्रवर्चनकर्ता 'भोले बाबा' के सत्संग में मची भगदड़ में कुल 121 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। गांधी ने शुक्रवार सुबह पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी। वहीं, योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की थी कि मृतकों के परिवारों को

दो–दो लाख रुपये और घायलों को 50–50 हजार रुपये मुआवजा दिया जाएगा।

राहुल गांधी ने छह जुलाई को आदित्यनाथ को लिखे अपने पत्र में कहा, ''उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित मुआवजा अपर्याप्त है। मैं आग्रह करता हूं कि मुआवजे की राशि बढ़ाई जाए और इसे जल्द से जल्द दिया जाए।' कांग्रेस नेता ने कहा कि घायलों को उचित उपचार और उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''हाथरस में भगदड़ की घटना में 120 से अधिक लोगों की मौत की खबर से मैं स्तब्ध हूं। मैं हृदय में पीड़ा के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूं और मुझे पता है कि आप भी उस पीड़ा को महसूस कर रहे होंगे।''

राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अलीगढ़ और हाथरस जिलों के कई पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उनका दर्द बांटने की कोशिश की। उन्होंने पत्र में लिखा, ''हादसा इतना दुखद है कि परिजन से मिलते समय मेरे पास सांत्वना के लिए शब्द कम पड़ गए। अनेक परिवारों ने इस दुर्घटना में अपना जो कुछ भी खोया है, उसकी पूर्ति तो किसी तरह संभव नहीं है लेकिन हम पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद करके उनकी पीड़ा को कम करने का प्रयास अवश्य कर सकते हैं।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''पीड़ित परिवारों ने मुझसे यह भी साझा किया कि इस पूरी घटना के लिए स्थानीय प्रशासन की लापरवाही और असंवेदनशीलता जिम्मेदार है। इस मामले में उचित और पारदर्शी जांच न केवल भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की दिशा में एक कदम होगी, बल्कि इससे इन पीड़ित परिवारों का न्याय व्यवस्था में विश्वास भी पुनरू स्थापित होगा।''उन्होंने कहा कि न्याय के नजरिए से भी दोषियों को ''कठोर सजा'' दिया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा, ''दुख की इस घड़ी में हम सभी का दायित्व है कि हम पीड़ित परिवारों का साथ दें। कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता और स्वयं मैं इस मामले में आपकी हरसंभव मदद के लिए उपलब्ध हैं। आशा है कि इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए आप सहायता के संदर्भ में किए जाने वाले कार्यों को विशेष प्राथमिकता देंगे।''

बरसात के साथ आंधी की चेतावनी

लखनऊ (आभा)। प्रदेश भर में पिछले एक सप्ताह से बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार तक पूर्वी यूपी के साथ मध्य और दक्षिणी इलाकों में अत्यधिक बरसात की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कई जगह आंधी की भी आशंका जताई गई है।

लखनऊ समेत 35 जिलों में रविवार को भारी बरसात का अलर्ट है। अगले चार–पांच दिनों तक रुक–रुककर वर्षा होती रहेगा। मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह का कहना है कि लगातार हो रही बरसात से भीषण गर्मी से तो बड़ी राहत मिली है, लेकिन कई जगह जलभराव के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसका असर बिजली पर भी पड़ा है। बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। रविवार को देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और आसपास के जिलों में बहुत अधिक बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

बस्ती में अजमेर से बिहार जा रही निजी बस पलटने से 20 यात्री घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार की सुबह बस्ती जनपद के कप्तानगंज कस्बे में अजमेर शरीफ से लौटकर सीतामढ़ी बिहार जा रही यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ी और पलट गई। बस में सवार यात्री चीखने चिल्लाने लगे। सूचना पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज पहुंचाया। 20 घायलों में से छह को जिला अस्पताल बस्ती के लिए रेफर कर दिया गया।

हादसे का कारण चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया की 20 यात्री घायल हुए थे। सभी सीतामढ़ी बिहार के बताए जा रहे हैं। छह की हालत गंभीर है। अजमेर शरीफ से लौटकर सीतामढ़ी बिहार जा रही प्राइवेट बस 45 यात्री सवार थे। हादसे में 20 घायल हुए हैं। सूचना पर एनएचआई की टीम भी मौके पर पहुंची और बस को किनारे कराते हुए यातायात बहाल कराया।

घायलों में तजमिन खातून (55) पत्नी मोहम्मद वसीर, सहरा खातून (70) पत्नी मोहम्मद यीशू, उरवाना मंसूरी (80) पुत्र मुसाफिर मंसूरी, कलाम नंदा (80) पुत्र सठऊं नंदा निवासी जगमना वेदा सोनबरसा रोड थाना वथनाह जिला सीतामढ़ी, जुबेदा खातून (70) पत्नी इदरीश, सिनवाद (8) पुत्री मुफीद, अलातुर मंसूरी पुत्र अब्दुल जमीर निवासी झदहा थाना परिहार जिला सीतामढ़ी, मुन्नी खातून (17) अब्बास खातून, सेतु खातून (65) पत्नी अब्बास, जुमरैती खातून (42) पत्नी गुदरी अंसारी, अमाना खातून (55) पत्नी गुलफुन खातून, बिलकिश खातून (8) पुत्री गुलफुल, मकूलन खातून (70) पत्नी मक्सी खातून, रिजवाना खातून (50) पत्नी नजामुदीन निवासी शिवहर, बसेहा सीतामढ़ी, दिलशाद (10) पुत्र कुर्बान, शबाना खातून (40) पत्नी कुर्बान, मोहम्मद निसाद (12) पुत्र नाजिर, सरबिन खातून (9) पुत्री नाजिर, हसीना खातून (45) पत्नी जाफिर, मुहम्मद नफीक पुत्र हमीर निवासी सिडिया बजार थाना बेला सीतामढ़ी, बिहार शामिल हैं।

काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन व्यवस्था का विरोध करेंगे परिषदीय शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद बस्ती के जनपदीय अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी की आवश्यक बैठक न्याय मार्ग स्थित शिविर कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद में कार्यरत शिक्षकों, कर्मचारियों एवं 12 पंजिकाओं के डिजिटलाइजेशन व्यवस्था को आगामी 8 जुलाई 2024 से लागू करने के विरोध का मुद्दा छाया रहा।

-विरोध में 11 जुलाई को देंगे धरना, ऑनलाइन हाजिरी अव्यवहारिक- उदयशंकर शुक्ल

जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 6 जुलाई को लखनऊ में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश नेतृत्व ने निर्णय लिया है कि जब तक शिक्षक समस्याओं व उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को लागू करते हुए राज्य कर्मचारियों की भांति अन्य सुविधाओं को नही दिया जाता तब तक ऑनलाइन व्यवस्था का बहिष्कार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने डिजिटलाइजेशन के विरोध में आंदोलन करने का निर्णय लिया है। जिसके क्रम में 08 जुलाई से सभी शिक्षक, शिक्षिकायें अपनी बांह में काली पट्टी बांधकर डिजिटलाइजेशन का विरोध करते हुए विद्यालयों में पठन–पाठन का कार्य करेंगे। 11 जुलाई को जिला मुख्यालयों पर जिला और ब्लाक के संघ पदाधिकारी एकत्रित होकर डिजिटलाइजेशन के विरोध में जिलाधिकारी, जिला प्रशासन, बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रेषित करेंगे। आन लाइन हाजिरी का निर्णय अव्यवहारिक है।

बैठक में उपस्थित जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह व जिला संयुक्त मंत्री विजय प्रकाश चौधरी सहित सभी संगठन पदाधिकारियों ने एक स्वर में शिक्षक, शिक्षिकाओं के ऑनलाइन, फेस रिकॉगनिशन द्वारा उपस्थित दर्ज करने का विरोध करते हुए कहा कि जबतक सरकार हमे राज्य कर्मचारियों की तरह अन्य सुविधाएं जैसे पुरानी पेंशन लागू करना, कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था, 30 ई0एल0, 15 हाफ सी0एल0, आवास सुविधा और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों में विद्यालयों के अवस्थित होने की दशा में उपस्थित समय मे व्यवहारिक छूट लागू नहीं किया जाता तबतक सरकार द्वारा घोषित इस अव्यवहारिक तानाशाही फरमान का विरोध करते हुए इसका बहिष्कार किया जाएगा।

पहली बरसात में घरों में घुसा पानीः कांग्रेस नेता महेन्द्र ने किया सीवर लाइन और जाम से मुक्ति दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सूचना का अधिकार विभाग कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव और गोरखपुर– बस्ती मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग किया है कि शहर में सीवर लाइन की व्यवस्था करायी जाय जिससे बरसात के दिनों में जल निकासी संभव हो सके।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि शनिवार को देर रात तक हुई बारिश ने नगर पालिका के तैयारियों की पोल खोल दिया। शहर के मुख्य सड़क गांधीनगर तक पर नालियों का गंदा पानी बह रहा था। आवास विकास, कटरा, पतेलवा, पाण्डेय बाजार, नरहरिया के साथ ही अनेक मुहल्लों में नालियों का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया। कहा कि अनेक मुहल्लों में सड़क निर्माण के कारण कटरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित है और लोग परेशान है। शहर के जिला अस्पताल चौराहा और पाण्डेय बाजार में घंटो जाम का लगा रहना नियति बन गई है। दोनों स्थानों पर फ्लाई ओवर की आवश्यकता है जिससे लोगों को जाम से मुक्ति मिल सके।

कांग्रेस नेता महेन्द्र ने कहा कि चुनाव के समय बड़े–बड़े वायदे किये जाते हैं किन्तु बाद में उसे भुला दिया जाता है। बस्ती शहर को जल जमाव से मुक्ति तभी मिलेगी जब व्यवस्थित सीवर का निर्माण कराया जाय। कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने सीवर लाइन, मालवीय रोड और दक्षिण दरवाजा से स्टेशन रोड की सडक और गांधीनगर में मल्टी लेबल पार्किंग का प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा है, अच्छा हो कि इसे तत्काल पूरा कराया जाय। कांग्रेस नेता ने कहा कि शहर में टैक्सी, टेम्पो पार्किंग की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है इसका परिणाम ये होता है कि टेम्पो चालक आये दिन चालान के शिकार हो जाते हैं। उन्होने बरसात के मौसम में रैन बसेरा की व्यवस्था मजबूत करने की मांग नगर पालिका प्रशासन से किया है। बताया कि शहर से सटे मुहल्लों में सफाई और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति दयनीय है। नियमित सफाई न होने से बरसात के दिनों में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है ऐसे में नगर पालिका विशेष सफाई अभियान चलाये। मच्छरों से मुक्ति के लिये नियमित फांगिग कराया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 जुलाई 2024 सोमवार

सम्पादकीय

नये कानून से उम्मीदें

1 जुलाई से देश में लागू हो चुके 3 नए आपराधिक कानून चर्चा का केन्द्र बिन्दू हैं। तीन नए आपराधिक कानून–भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 25 दिसंबर 2023 को अधिसूचित किए गए थे। इन कानूनों को भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लाया गया है। कहा जा रहा है कि इससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आएंगे। इसके लागू हो जाने से 'जीरो एफ.आई.आर.', पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, 'एस.एम.एस.' (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिए सम्मन भेजने जैसे इलैक्ट्रॉनिक माध्यम के तहत लोगों को सहूलियत दी गई है।

सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की वीडियोग्राफी जरूरी जैसे प्रावधान नए कानून में शामिल हैं। नए कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकद्दमा पूरा होने के 45 दिन के अंदर आएगा। पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय कर दिए जाएंगे। दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी ही लेगी, साथ ही उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में बयान दर्ज किया जाएगा। मैडीकल रिपोर्ट 7 दिन के अंदर देनी होगी। नए कानूनों में संगठित अपराधों और आतंकवाद के कृत्यों को परिभाषित किया गया है। राजद्रोह की जगह देशद्रोह लाया गया है। सभी तलाशी तथा जब्ती की कार्रवाई की वीडियोग्राफी होगी जो जरूरी है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है। किसी बच्चे को खरीदना और बेचना जघन्य अपराधों की श्रेणी में आएगा। किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान नए कानून में जोड़ा गया है।

नए कानूनों के तहत अब कोई भी व्यक्ति पुलिस थाना गए बिना इलैक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने में सक्षम है। इससे मामला दर्ज कराना आसान और तेज हो जाएगा। पुलिस द्वारा फौरी कार्रवाई की जा सकेगी। 'जीरो एफ.आई.आर.' से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा सकता है, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में न हुआ हो। नए कानून में गिरफ्तारी की सूरत में व्यक्ति को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में सूचित करने का अधिकार दिया गया है। इससे गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत सहयोग प्राप्त होगा। नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गई है। इससे मामला दर्ज किए जाने के 2 महीने के अंदर जांच पूरी की जाएगी।

नए कानूनों के तहत पीड़ितों को 90 दिन के भीतर अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा। नए कानूनों में, महिलाओं व बच्चों के साथ होने वाले अपराध पीड़ितों को सभी अस्पतालों में निरूशुल्क प्राथमिक उपचार या इलाज मुहैया कराया जाएगा। आरोपी तथा पीड़ित दोनों को अब प्राथमिकी, पुलिस रिपोर्ट, आरोपपत्र, बयान, स्वीकारोक्ति और अन्य दस्तावेज 14 दिन के भीतर पाने का अधिकार होगा। अदालतें वक्त रहते न्याय देने के लिए मामले की सुनवाई में अनावश्यक विलंब से बचने के वास्ते अधिकतम 2 बार मुकद्दमे की सुनवाई स्थगित कर सकती हैं। नए कानूनों में सभी राज्य सरकारों के लिए गवाह सुरक्षा योजना लागू करना जरूरी है।

अपराध प्रक्रिया संहिता 1973 की जगह लाए जा रहे भारतीय नागरिक सुरक्षा कानून में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है। इस नियम के मुताबिक अगर कोई कैदी आदतन अपराधी है या पहले हिरासत से भाग चुका है या आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है, ड्रग्स से जुड़ा अपराधी हो, हत्या, रेप, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बच्चों का यौन शोषण में शामिल रहा हो तो ऐसे कैदी को हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार किया जा सकता है। अब तक के आपराधिक कानून में हथकड़ी लगाने पर उसका कारण बताना जरूरी था। इसके लिए मैजिस्ट्रेट से इजाजत भी लेनी होती थी। साल 1980 में प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हथकड़ी के इस्तेमाल को अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर हथकड़ी लगाने की जरूरत है तो मैजिस्ट्रेट से इसकी इजाजत लेनी होगी।

आर्थिक सर्वेक्षण 2018–19 के अनुसार, न्यायिक प्रणाली में (विशेष रूप से जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में) लगभग 3.5 करोड़ मामले लंबित हैं, और अब यह आंकड़ा बहुत अधिक हो चुका है। अंडरट्रायल मामलों में भारत, दुनिया के सबसे अधिक अंडरट्रायल कैदियों की संख्या वाला देश है। एन.सी.आर.बी.–प्रिजन स्टैटिस्टिक्स इंडिया के एक पुराने अनुमान के अनुसार, जेलों में बंद कुल जनसंख्या का 67.2 प्रतिशत अंडरट्रायल कैदी हैं। अब इस संख्या में भी अच्छी–खासी वृद्धि हो चुकी है। ऐसे अनेक कारणों से आपराधिक कानूनों में न्यायिक सुधार देश हित में है।एक बात तो तय है कि नए कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी। इसका उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली के सभी केन्द्रों के बीच आसानी से सूचना का आदान–प्रदान सुनिश्चित कर एक ताकतवर और प्रभावी आपराधिक न्याय प्रणाली स्थापित करना है। विदित हो कि देश के बहुमुखी विकास के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार अति आवश्यक है, जिसकी एक लंबे समय से अनदेखी की जा रही थी। क्या ऐसा लगता है कि आपराधिक न्याय प्रणाली में वर्तमान सुधार से अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ–साथ देश के नागरिकों में सुरक्षा की भावना भी मजबूत होगी।

क्या सचमुच अयोध्या शापित है?

-आचार्य डॉ राधेश्याम द्विवेदी -

जो घटित हुआ, हो रहा और जो होगा वह सब प्रभु श्री राम की लीला है। अयोध्या का गौरव सदियों से बार बार बिखरता रहा। अब जैसे– जैसे अयोध्या अपने आप को संयोजित कर रही है, समेट और सहेज रही है तो क्रिया प्रतिक्रिया और दावेदारी भी बढ़ती जा रही है। अयोध्या कितनी बार बसी और कितनी बार उजाड़ हुई, इसका हिसाब करना सहज नहीं है।

सच पूछिये तो भगवान श्रीरामचन्द्र की लीला– संवरण के बाद ही अयोध्या पर विपत्ति आई। कोशलराज के दो भाग हुये। श्रीरामचन्द्र के ज्येष्ठ कुमार महाराज कुश ने अपने नाम से नई राजधानी ष कुशावती' बनाई और छोटे पुत्र लव ने 'शरावती' श्रावस्ती' की शोभा बढ़ाई। राजा के बिना राजधानी कैसी? अयोध्या थोड़े ही दिनों पीछे आप से आप श्रीहीन हो गई।

अयोध्या के दुर्दशा के समाचार सुन महाराज कुश फिर अयोध्या में आये और कुशावती ब्राह्मणों को दानकर पूर्वजों की प्यारी राजधानी और उनकी जन्म–भूमि अयोध्या में रहने लगे। शाक्यसिंह बुद्धदेव के जन्म से फिर अयोध्या का पता चलता है और कुछ कुछ वृत्तान्त भी मिलता है। बुद्धदेव कपिलवस्तु में उत्पन्न हुये, श्रावस्ती में रहे और कुशीनगर वा कुशीनर में निर्वाण को प्राप्त हुए। यह सब स्थान कोशल देश में विद्यमान थे।

उन दिनों कोशल वा अवध की राजधानी का राज सिंहासन श्श्रावस्तीष में था जिसको भगवान श्रीरामचन्द्रदेव के कनिष्ठ पुत्र लव ने श्शरावतीष के नाम से बसाकर अपनी राजधानी बनाया था। अंग्रेजी राज में अयोध्या पाँच छः हजार की आबादी का एक छोटा सा नगर सरयू नदी के बायें तट पर बसा था।

भारतीय लोकतंत्र में एक अहम बुराई यह है कि जिस निर्वाचन क्षेत्र से सत्ताधारी पार्टी चुनाव जीतती है या उस क्षेत्र के प्रतिनिधि को सत्ता में महत्व पूर्ण ओहदा मिलता है,वहीं विकास का कार्य होता है, वहीं रौनक रहती है। जहां से सत्ता पक्ष के प्रतिनिधि नहीं चुने जाते हैं, वहां की सड़कें भी वीरान हो जाती हैं। यहां तक उन क्षेत्रों को पर्याप्त रोशनी के लिए बिजली भी नहीं मिलती। सारे चालू प्रोजेक्ट ठप पड़ जाते हैं, नई योजनाएं तो दूर की कौड़ी हो जाती हैं। रामपुर, सैफई, मैनपुरी, इटावा,अमेठी, रायबरेली, वाराणसी, अयोध्या ,मथुरा और गोरखपुर में इस प्रकार का लक्षण और घटना देखी और सुनी जा सकती है।

जबसे केंद्र में सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को संसदीय चुनावों में आपेक्षित सीटें नहीं मिली हैं, सोशल मीडिया पर विपक्ष के समर्थन में लोगअयोध्या के शापित होने की बात करने लगे हैं। उन्हें इस बात का डर है कि एक बार फिर अयोध्या पर सीता माता के श्राप की छाया तो नहीं पड़ गई है? फैजाबाद सीट हारने को अयोध्या के हारने की प्रोपगंडा क्यों फैलाया जा रहा है?

चुनाव के नतीजों के बाद अयोध्या और माता सीता के श्राप की चर्चा जोर पकड़ने लगी है। पौराणिक कथाओं केअनुसार, जब श्री राम ने लोगों की बातों में आकर माता सीता को एक अदना सा धोबी के कहने पर राजधर्म का परिपालन करते हुए अयोध्या राज्य से निकाल दिया था, तब माता सीता ने अयोध्या को सुखी ना रहने का श्राप दिया था। कहा जाता है कि इस श्राप के कारण ही अयोध्या में आपेक्षित विकास नहीं हो पाता रहा है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अयोध्या की जनता का अपने शासकों के साथ तालमेल कम होता है। श्री राम के बाद, उन्होंने किसी भी शासक को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया। राजा सगर के पुत्र असमंजस और असमंजस के पुत्र अंशुमान को भी अयोध्या की जनता ने राज्य से निकलने पर मजबूर कर दिया था।

अयोध्या का चुनाव परिणाम और इसके पीछे की पौराणिक कथाएं राजनीतिक और सामाजिक बातों का हिस्सा बन गई हैं। अब देखना ये होगा कि आने वाले समय में अयोध्या में विकास की गति कैसी रहती है और क्या जनता का तालमेल अपने नए नेताओं के साथ सही रहता है की नहीं है।

एक बार टीवी चैनल से बात करते हुए श्अयोध्या के राज परिवार के प्रतिनिधि श् के रूप में जाने जाने वाले श्री बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्रा ने कहा था , " स्थानीय किंवदंती के मुताबिक, जब भगवान राम ने अफवाहों की वजह से माता सीता को अयोध्या से बाहर निकाला था, तो उन्होंने श्राप दिया था। कई अन्य लोगों का भी मानना है कि इस अभिशाप की वजह से ही शहर में कभी भी तीव्र गति से विकास नहीं हुआ।"

जिस अयोध्या में कुछ साल पहले तक एक भी बढ़िया होटल नहीं था, वहां अब फाइव स्टार होटल बनाने की परमिशन मांगने वालों की लाइन लग गई है। अयोध्या में फाइव स्टार होटल बनाने की अनुमति मांगने के लिए प्रशासन को 100 से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इस परिप्रेक्ष्य में लोधा ग्रुप, ताज होटल ग्रुप तथा अमिताभ बच्चन जैसे अनेक नामी गिरामी लोग और यहां पदस्थ अधिकारी सांसद और विधायक भ्र भी उंगलियां उठने लगी है।

पौराणिक कथाओं की मानें तो अयोध्या को किसी ने बसाया नहीं था। इस शहर ने अपने आप ही आकार ले लिया और साकेत नाम से इसकी पहचान बन गई। भारत में सात धार्मिक शहरों की चर्चा होती है, जिसमें हर शहर की उत्पत्ति की कोई न कोई कहानी है पर अयोध्या शहर कैसे बना इसकी कोई कहानी नहीं है। जैसे काशी के बारे में कहा जाता है कि यह शंकर भगवान के धनुष पर स्थित है। द्वारका के बारे में कहा जाता है कि इसे कृष्ण ने बसाया पर अयोध्या की कोई किवदंती भी नहीं है।

राम के पहले उनके कई पुश्तों ने यहां राज किया है। कालिदास लिखते हैं कि राजा दशरथ के समय तक अवधपुरी समृद्ध, सुंदर और अच्छी तरह से किलेबंद शहर था। समय के साथ अयोध्या के नाम बदलते रहे जैसे कोसलपुरी, साकेत आदि। इतिहास के पन्नों के पलटने पर अयोध्या को अलग–अलग 12 नामों से जाना जाता था. जिनके नाम हैं, अयोध्या, आनंदिनी, सत्यनामा, सत, साकेत, कोशला, विमला, अपराजिता, ब्रह्मपुरी, प्रमोदवन, सांतानिकलोका और दिव्यलोका। शिव संहिता के पांचवे पटल के बीसवें अध्याय में कहा गया है –

अयोध्या नंदिनी सत्यनामा साकेत इत्यापि।
कोशला राजधानी च ब्रह्मपुरपराजिता।

जिस तरह यहां का इतिहास शैव धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, वैष्णव धर्म आदि का केंद्र बनता रहा, उससे यही लगता है कि यह शहर हमेशा आबाद रहा होगा। फिर भी इसे शापित क्यों कहा जाता है, यह समझ में नहीं आता है।

हिंदी की प्रसिद्ध साहित्यकार और पत्रकार मृणाल पांडेय एक ऑर्टिकल में लिखती हैं कि 1858 की सर्दियों में विष्णु भट्ट ने जिस भयभीत शहर को देखा, वह निश्चित रूप से त्रेता युग की चमचमाती पौराणिक अयोध्या नहीं थी।

अमृतलाल नागर ने 1957 में जो अयोध्या देखी, उसके स्मारकों पर घास–फूस उग आए थे और लोग गदर के बाद हुए अपमान को साझा करने से कतराते थे, वह फिर भी अलग थी। वाल्मीकि से लेकर भवभूति और विद्यापति तक के कवियों और लोकगीतों के अनाम रचनाकारों ने राम राज्य की न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं, जिसने एक निर्दोष महिला सीता को दंडित किया।

'जौं अनीति कछु भाषौं भाई,
तौ मोहि बरजहूँ भय बिसराई ।

श्रीराम अयोध्यावासियों से कहते हैं कि अगर मैं भी कुछ अनीति की बात कहूं तो आप सभी भय को त्याग कर मुझे रोक देना । तभी नारद वाल्मीकि से कहते हैं कि –

"रामो राजम उपासित्वा
ब्रह्मलोकं प्रयास्यति।।"

आखिर राम क्यों अपनी अयोध्या का शासन न करके उसकी उपासना करते रहे । क्योंकि राम जानते थे कि अयोध्या और वहां की प्रजा का मिजाज किसी भी शासन को स्वीकार नहीं करता। श्री मिश्र लिखते हैं कि यही कारण रहा कि राम ने पहले अपने वंश के राजाओं का इतिहास देखा और जब वो ये जान गए थे कि अयोध्या किसी की नहीं सुनती तो वो ब्रह्मलोक जाने से पहले अयोध्या किसी को नहीं सौंप गए । न तो अपने पुत्रों लव और कुश को और न ही अपने भाइयों को। उन्होंने प्रकांतर से हनुमान जी को अयोध्या की जिम्मेदारी सौंपी है।

राम ने अयोध्या किसी को नहीं दी. दोनों पुत्रों यानि कुश को कसूर (पंजाब) और लव को लाहौर में राज्य की स्थापना करने का आदेश दिया। शत्रुघ्न के पुत्रों को मथुरा तो लक्ष्मण के पुत्रों को लखनऊ का क्षेत्र दिया । राम अपने साथ अयोध्या की जनता को ही नहीं उसके सभी प्राणियों यहां तक की पशु पक्षियों को भी अपने साथ ब्रह्मलोक ले गए और अयोध्या वीरान हो गई। कहा जाता है कि अयोध्या की देवी ने खुद कुश के पास जा कर अयोध्या को फिर से बसाने की प्रार्थना की , लेकिन अयोध्या फिर वैसी नहीं रह गई जैसी श्रीराम के वक्त थी। राम जानते थे कि ये वही अयोध्या की जनता है जिसने उनके पूर्वज राजा सागर के पुत्र असमंजस को राज्य से निकालने के लिए विवश कर दिया था, क्योंकि असमंजस अयोध्या के बच्चों को सरयू में डूबो कर मार डालता था। अंशुमान अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए राजकाज छोड़ ताउम्र तपस्या में ही लीन रहे।

ये वही अयोध्या है जो राजा दशरथ के राम को वनवास पर भेजे जाने के फैसले का विरोध करते हुए राम के साथ चल पड़ती है। और ये वही अयोध्या है जो सीता की पवित्रता पर सवाल उठाकर उनकी अग्नि–परीक्षा सुनिश्चित करवाती है। अयोध्या की अपने शासकों से जरा कम ही बनती है। वह उनके अधीन तो रहती है पर हर अच्छे बुरे कार्य पर उसकी निगाहें भी लगी रहती है।

निजी मोबाईल कंपनियों को मिली लूट की छूट ?

–तनवीर जाफरी–

जिस समय लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना ताकत व सामर्थ्य से सरकार चलाने व जनकल्याण सम्बन्धी अनेक दावे व वादे कर रहे थे उस समय देश की जियो रिलायंस, एयरटेल व वोडाफोन आइडिया जैसी तीन सबसे बड़ी कम्पनियाँ भारतवर्ष के लगभग 109 करोड़ मोबाइल फोन उपभोक्ताओं पर 34,824 करोड़ रुपए वार्षिक का आर्थिक बोझ डालने का फैसला कर चुकी थीं। इन कंपनियों द्वारा अपने ग्राहकों के लिये मोबाइल शुल्क को बढ़ाते हुए अब बढ़ी कीमतों के साथ नए प्लान बाजार में उतारे गए हैं। इस बढ़े हुये टैरिफ के बाद अब ग्राहकों पर मोबाइल टैरिफ पर होने पर वाला उनका खर्च औसतन 15 प्रतिशत और बढ़ गया है। गौरतलब है कि देश के कुल लगभग 119 करोड़ में से 109 करोड़ सेल फोन उपभोक्ता केवल रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन का मोबाईल कनेक्शन प्रयोग करते हैं जबकि शेष दस करोड़ उपभोक्ताओं में बीएसएनएल व अन्य छोटी क्षेत्रीय स्तर की कई कम्पनीज हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त होने व एन डी ए का तीसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद इन कंपनियों द्वारा लिया गया यह निर्णय निश्चित रूप से मोबाइल फोन उपभोक्ताओं को यह सोचने के लिये मजबूर करता है कि क्या रेट बढ़ाने के लिये यह कम्पनियाँ चुनाव समाप्त होने की प्रतीक्षा में थीं ? और यह भी कि चुनाव पूर्व इन कंपनियों द्वारा अपने टैरिफ में बढ़ोतरी इसलिये नहीं की गयी ताकि सत्ता को 109 करोड़ मोबाइल फोन उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना न करना पड़े ? गौरतलब है कि भारतीय मोबाईल बाजार में इस समय रिलांयस जियो के पास लगभग 48 करोड़ उपभोक्ता हैं जबकि एयरटेल के पास करीब 39 करोड़ तथा वोडाफोन आइडिया के पास 22 करोड़ 37 लाख मोबाईल फोन उपभोक्ता हैं। तीनों ही कम्पनीज ने पूरे आपसी तालमेल के साथ केवल एक एक दिन के अंतराल पर कीमतों में इजाफा किया। जैसे रिलायंस जियो ने 27 जून को अपने रेट 12 प्रतिशत से 27 प्रतिशत तक बढ़ाये तो एयरटेल ने 28 जून को 11 से 21 प्रतिशत रेट बढ़ाये इसी तरह 29 जून को वोडाफोन आइडिया ने औसतन लगभग 16 प्रतिशत रेट बढ़ा दिये। विपक्ष का सीधा आरोप है कि यह कंपनियां अपनी मनमानी करते हुये अपने हिसाब से फोन दर बढ़ा रही हैं और उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डाल रही हैं। एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के अनुसार केवल मोबाईल फोन टेरिफ चार्ज बढ़ाने से देश में मुद्रा स्फीति की दर में 0.02ः की बढ़ोत्तरी हो जाएगी। इसका जिम्मेदार आखिर कौन होगा ?

इसी बीच दूरसंचार मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी कर एक तरह से टेलीकॉम कंपनियों का बचाव करते हुये यह कहा गया है कि ' टैरिफ की दर टेलीकॉम कंपनियां डिमांड एंड सप्लाई के आधार पर निर्धारित करती हैं। ये कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए टेक्नोलॉजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च कर रही हैं और इस निवेश को फाइनेंस करने के लिए ही टैरिफ बढ़ाने जैसे फैसले लिए जाते हैं'। दरअसल भारत में टैरिफ सम्बन्धी फैसले भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण टीआरएआई गाइडलाइन को ध्यान में रखते हुए कंपनियां करती हैं। सरकार स्वतंत्र बाजार के फैसलों में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करती है। खबरों के अनुसार पिछले दिनों इन टेलीकॉम कंपनियों द्वारा देश में ग्राहकों को 5 जी नेटवर्क की सुविधा देने के लिए तकनीकी क्षेत्र में भारी निवेश किया गया है। अब ग्राहकों को 5 जी सर्विस का लाभ उठाने के लिए 71 फीसदी ज़्यादा शुल्क देना होगा। जबकि आंकड़ों के अनुसार यदि 5 जी सुविधा देने के बदले यही कम्पनीज 15 से 17 फीसदी प्रति उपभोक्ता औसतन शुल्क भी बढ़ाती हैं तो भी उन्हें अपनी लागत वापस मिल जायेगी। परन्तु सवाल यह है कि पूंजीपतियों के हितों का ध्यान रखने वाली सरकारें बढ़ चढ़कर उपभोक्ता हितों की केवल बातें तो करती हैं परन्तु या तो यह पूजीपतियों के हक में फैसले करती हैं या उनके द्वारा उठाये गये इसतरह के मनमानी फैसलों पर न केवल खामोश रहती हैं बल्कि उन्हीं के पक्ष में कई तर्क भी दे डालती हैं।

उपरोक्त तीनों निजी कंपनियों द्वारा शुल्क दर बढ़ाने के बाद खबरें यह भी आ रही हैं कि इन कम्पनीज के तमाम उपभोक्ता इन्हें छोड़ अब बी एस एन एल का कनेक्शन ले रहे हैं। निजी मोबाईल द्वारा रिचार्ज टैरिफ बढ़ाए जाने के बाद बी एस एन एल ने भी प्रतिस्पर्द्धा में छलांग लगाते हुये तत्काल एक सस्ता और किफायती टैरिफ प्लान भी पेश किया है। साथ ही बीएसएनएल की ओर से यह घोषणा भी की गयी है कि कंपनी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में 10 हजार 4ळ टॉवर लगाये हैं। इस घोषणा के बाद संभावना है कि बीएसएनएल जल्द ही 4जी सर्विस शुरू कर सकती है। गौरतलब है कि बीएसएनएल ने अप्रैल महीने तक देश भर में लगभग 3500 टॉवर स्थापित किए थे जोकि अब इस महीने यानी जुलाई तक 10 हजार तक पहुंच गए हैं ।

यह वही बी एस एन एल है जो सभी मूलभूत सुविधाओं के मौजूद होने के बावजूद केवल सरकारी निष्क्रियता व अवहेलना के चलते निजी क्षेत्र की कम्पनीज से लगातार पिछड़ता जा रहा था और ठीक इसके विपरीत निजी कम्पनीज सरकारी संरक्षण में फल फूल रही थीं। यहाँ तक कि निजी कम्पनीज द्वारा पूरे देश में बी एस एन एल के अनेक टावर्स भी इस्तेमाल किये जा रहे थे। याद कीजिये जिस दिन जियो रिलायंस की शुरुआत हुई थी उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र कम्पनी द्वारा देशभर के अखबारों के मुख्य पृष्ठ पर अपने विज्ञापन में इस्तेमाल किया गया था जिसपर काफी बवाल मचा था। बहरहाल अब इन निजी कम्पनीज द्वारा मनमानी तरीके से शुल्क बढ़ाये जाने के बाद जिस तरह ग्राहकों में बी एस एन एल में 'घर वापसी' की होड़ मची है उसे देखकर बी एस एन एल के दिन फिरने की उम्मीद तो जगी ही है। साथ ही इन तीनों निजी कम्पनीज से ग्राहकों का मोह भांग होने के बाद इनके भी होश ठिकाने लगेंगे तभी ग्राहकों के साथ की जाने वाली इनकी व इन जैसी दूसरे क्षेत्रों की अन्य निजी कम्पनीज की मनमानी पर भी नियंत्रण लग सकेगा।

बजट पर टिकी निगाहें

– प्रहलाद सबनानी–

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं।

पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023–24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए।

किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023–24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ गए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011–12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैकोंध्उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024–25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है।

भारी बारिश एवं बाढ़ को देखते हुए बेसिक शिक्षा महकमा हुआ अलर्ट

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में भारी बारिश एवं बाढ़ को देखते हुए बेसिक शिक्षाधिकारी ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्कूलों सहित ब्लॉक संसाधन केन्द्रों पर रखे पत्रावलियों को किसी सुरक्षित स्थान पर रख लें। बीएसए शुभम शुक्ला ने जिले के सभी नौ शिक्षा क्षेत्र के खंड शिक्षाधिकारियों को अभिलेखों व पत्रावलियों के रख–रखाव को सुव्यवस्थित रखने का निर्देश दिया है। बीएसए ने सभी शिक्षाधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि जिले में भारी बारिश एवं बाढ़ को देखते हुए सभी ब्लॉक संसाधन केंद्र एवं स्कूलों में रखे संसाधन सामग्री एवं पत्रावलियों को सुरक्षित स्थान पर समय से रख लें। ताकि बाढ़ पानी संबंधित स्थान में आने के पूर्व ही सामग्री व पत्रावलियां सुरक्षित रह सकें। बेसिक शिक्षाधिकारी के निर्देश पर सभी खंड शिक्षाधिकारियों ने अपने–अपने ब्लॉक संसाधन केन्द्रों में पत्रावलियों को सुरक्षित रखने की कवायद शुरू कर दी है।

परीक्षों केंद्रों तक पहुंचने में जूझे सी–टेट अभ्यर्थी

संवाददाता–गोंडा। जिले में भारी बारिश के बीच रविवार के सीबीएसई की ओर से आयोजित केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सी–टेट) शांतिपूर्वक संपन्न हुई। रविध्वार को परीक्षा देने से पहले सैकड़ों अभ्यर्थियों को घुटनों भरे गंदी पानी से गुजर का केंद्र पहुंचना पड़ा। शहर के नारायणा पब्लिक स्कूल, एम्स इंटर कॉलेज पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को खासी दुश्वारी का सामना करना पड़ा। शहर के 27 परीक्षा केंद्रों पर कुल 16850 परीक्षार्थियों में 2702 ने परीक्षा छोड़ दी है। पहली पाली में 10912 परीक्षार्थियों में से 9117 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। दूसरी पाली में 5938 परीक्षार्थियों में से 5031 छात्रों ने परीक्षा दी है। दो पालियों में आयोजिध्त परीक्षा सुबह साढ़े नौ बजे से लेकर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से लेकर साढ़े चार बजे तक हुई। डीआईओएस राम चन्द्र ने बताया कि 16850 में से कुल 2702 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी है। उन्होंने बताया कि दोनों पालियों में 27 केंद्रों पर आयोजित हुई परीक्षा सकुशल संपन्न हुई है। उधर, सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस और प्रशासनिक अफसर सक्रिय रहे। परीक्षा केंद्रों पर बड़े पैमाने पर फोर्स की तैनाती की गई थी।

इन स्कूलों में सम्पन्न हुई सीटेट परीक्षा रू जिले में रविवार को दो पालियों में 27 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इसमें नारायणा पब्लिक स्कूल, सरस्वती देवी नारी ज्ञानस्थली पीजी कॉलेज, एम्स इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एलबीएस पीजी कॉलेज, सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जीजीआईसी, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, स्वामी विवेकानन्द इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रवि चिल्ड्रन एकेडमी, रघुकुल विद्यापीठ, जीजीआईसी, जिगर मेमोरियल इंटर कॉलेज, गीता इंटरनेशनल स्कूल, एम्स इंटर कॉलेज, रोजवुड इंटर कॉलेज, सरजू प्रसाद कन्या पाठशाला, कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज, फातिमा स्कूल, सुवंस मिलेनियम पब्लिक स्कूल, सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में परीक्षा आयोजित की गई है।

नहीं मिला सेवा विस्तार, पांच दर्जन कर्मचारियों पर लटकी तलवार

संवाददाता–गोंडा। कोविड लेबल टू अस्पताल में कार्यरत पांच दर्जन से अधिक आउटसोर्सिंग के नौकरी पर फिर से तलवार लटक गई है। 30 जून के बाद से उनकी सेवा समाप्त हो गई है। इस महीनें में आठ दिन बीत चुके हैं लेकिन सेवा विस्तार संबंधित कोई भी पत्र अब तक नहीं आया है। अपनी नौकरी को लेकर इन कर्मचारियों की सांसें अटकी हुई हैं। कर्मचारी सेवा समाप्ति के डर से सहमे हुए हैं। स्वशासी मेडिकल कॉलेज में मर्ज किए गए जिला अस्पताल परिसर में ही कोविड लेबल टू अस्पताल स्थापित है। टाटा द्वारा पोषित किए गए 200 बेड के अस्पताल में 30 बेड वेंटीलेटर की सुविधाओं से लैस हैं। यही नहीं अत्याधुनिक आईसीयू में भी 17 बेड़ मौजूद हैं। अस्पताल को संचालित करने के लिए आउटसोर्सिंग से 62 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। इन कर्मचारियों की सेवा कोशिश कोविड काल से विस्तार मिलता आया है। मौजूदा समय में इस अस्पताल में 45 बेड का मेडिसिन वार्ड संचालित किया जा रहा है। बताया जाता है कि कोविड अस्पताल के ही कर्मचारी मेडिसिन वार्ड सहित अस्पताल के अन्य वार्डों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जबकि इन कर्मचारियों का सेवा विस्तार की अवधि 30 जून को ही समाप्त हो गई है और अब तक सेवा विस्तार संबंधित कोई भी निर्देश नहीं मिला है।

डीएम व एसपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

संवाददाता–श्रावस्ती। राप्ती में उफान को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। अधिकारी लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। डीएम व एसपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया, साथ ही संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बारिश के बीच रविवार सुबह विकास क्षेत्र हरिहरपुर रानी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राम रेहरा पहुंचकर एनडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन कर लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाने का निर्देश दिया। रेहरा में लगभग 40 लोगों को एनडीआरएफ टीम के सहयोग से प्रशासन ने बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इसके बाद डीएम व एसपी ने भकला पुल के समीप बसे लोगों से बात कर बाढ़ पीड़ितों का कुशल क्षेम जाना तथा उनसे सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामवासी अपने अपने पशुओं को लेकर राहत शिविरों में चले जाएं। जिला प्रशासन की ओर से वहां पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसी तरह जिलाधिकारी पूरा दिन भ्रमणशील रहकर बाढ़ क्षेत्रों का जायजा लेते रहे।

खतरे के निशान से 190 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच घटने लगी राप्ती नदी, बाढ़ से घिरे 50 गांव, संपर्क कटा

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में शुक्रवार को मध्य रात से शुरू हुई आफत की बरसात रुक रुक कर रविवार को भी जारी रही। इस दौरान जहां राप्ती नदी का जल स्तर खतरे का निशान पार कर 190 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया। वहीं सिरसिया क्षेत्र के पहाड़ी नालों के उफान पर आने से भिनगा जंगल सहित भिनगा तेंदुआ व भुजंगा नव्वा नेवादा मार्ग जलमग्र हो गया है। राप्ती के बढ़े जलस्तर के कारण जहां आठ गांवों में नदी कटान कर रही है। वहीं 32 गांव पूरी तरह पूरी तरह बाढ़ से घिरे हुए हैं। जबकि अतिप्लावन के कारण करीब 20 गांव टापू बन गए हैं। इससे इन गांवों का एक दूसरे से संपर्क टूटा हुआ है। तराई सहित नेपाल व पहाड़ों पर विगत तीन दिनों से हो रही बरसात के कारण जहां पहाड़ी नाले उफान पर हैं। वहीं नेपाल के कुसुम बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण राप्ती नदी का जलस्तर रविवार सुबह खतरे का निशान 127.70 से बढ़ कर 129.60 मीटर पहुंच गया। जो खतरे के निशान से 190 सेंटीमीटर अधिक है। हालांकि दोपहर एक बजे से नदी का जलस्तर पांच सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से घटने लगा है। दो बजे जमुनहा के राप्ती बैराज पर नदी का जलस्तर 129.50 मीटर मापा गया।

नदी अपने घटते बढ़ते जलस्तर के कारण अपने तट पर स्थित मनिका कोट, नरायनपुर, नासिरगंज, फत्तेपुर तनाजा, दत्तनगर, अमवा, जोगिया व भगवानपुर गांव में कटान कर रही है। इसके साथ ही नदी का पानी जोगिया, लक्ष्मनपुर, पोदला, पोदली, लक्ष्मनपुर खुर्द, सर्रा, अशरफ नगर, खर्च, दत्त नगर, अमवा, नारायनपुर, कोटवा, दहावरकला व मोहम्मदपुर कला, सलारू पुरवा, बरंगा, हरिहरपुर, करनपुर, गुरूआ, गुरुदत्त पुरवा, लाहौर कला, लक्ष्मणपुर सेमरहनिया, असरफा बाजार, भीखामपुर जगरावलगढ़ी सहित 32 गांवो में प्रवेश कर गया। जहां घरों में पानी आ जाने से लोग घर की छतों पर चारपाई व तखत पर पन्नी व तिरपाल तान कर डेरा जमाए हुए हैं।

राप्ती नदी के बढ़े जलस्तर के कारण जमुनहा तहसील, ब्लाक परिसर व मल्हीपुर सीएचसी सहित पटना वीरगंज बाजार में लोगों के घरों व दुकानों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया। इतना ही नहीं मल्हीपुर के बैरियर चौराहे से मधवारपुर होते हुए भंगहा आने वाले मार्ग पर कई फिट पानी आ जाने से आवागमन रोक दिया गया है। वहीं, शिकारी चौड़ा के निकट बहराइच जमुनहा मार्ग पर बाढ़ का पानी आने से आवागमन प्रभावित है। इसके साथ ही बाढ़ से घिरे 36 गांवों का तहसील ब्लाक व जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह से कट गया है। यहां लोगों को सुरक्षित स्थन पर पहुंचाने के लिए एनडीआरएफ व फ्लड पीएसी के जवान मोटर बोट के सहारे लोगों को रेस्क्यू कर रहे हैं।

जिले सहित पहाड़ों पर होने वाली बरसात के कारण सिरसिया क्षेत्र का सोहेलवा व भिनगा जंगल पानी से जलमग्र हो गया है। इससे जंगल में रहने वाले जीव जंतुओं के प्रकृतिवास पर खतरा मंडरा रहा है। एक तरफ जहां जंगल में रहने वाले गाय भैंस मुख्य मार्ग की पटरियों पर डेरा जमाए हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ हिंसक जीव जंतु पेड़ व ऊंचे स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं। इतना ही नहीं सिरसिया क्षेत्र के डगमरा, सूरजकुंडा व भैंसाही सहित अन्य पहाड़ी नालों के उफान पर आ जाने से आसपास के खेत जलमग्र हो गए हैं। वहीं केन नाला के उफान पर आ जाने से भिनगा ताल बघौड़ा, भुजंगा नव्वा मार्ग पर पानी आने से आवागमन बाधित हो गया है। यदि इसी तरह जंगल में पहाड़ी नाले का जलस्तर बढ़ा तो भिनगा सिरसिया व भिनगा लक्ष्मनपुर मार्ग पर आवागमन बाधित हो सकता है।

राप्ती बैराज पर नदी का जलस्तर भले ही घट रहा हो लेकिन उसका पानी अब गिलौला व इकौना क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती सहित करीब 144 गांवों पर बाढ़ व कटान का खतरा मंडराने लगा है। यदि नदी का जलस्तर और बढ़ा तो भिनगा इकौना मार्ग अवरुद्ध होने के साथ ही जमुनहा भिनगा व इकौना तहसील क्षेत्र के करीब 144 गांवों में राप्ती नदी अपना कहर बरपा सकती है। जिसे लेकर नदी के आसपास बसे गांवों के ग्रामीणों की धड़कने तेज हो गई हैं। तमाम ग्रामीण आफत से बचने के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश में जुट गए हैं।

जिले के बेसिक स्कूलों में डिजिटल हाजिरी आज से लगेगी

संवाददाता–गोंडा। बेसिक स्कूलों में पठन–पाठन की व्यवस्था सुधारने के लिए राज्य परियोजना निदेशक ने सोमवार से डिजिटल हाजिरी लगाने का आदेश जारी किया है। जिले के 2177 विद्यालयों में भी सोमवार से यह व्यवस्था लागू होगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी ने बताया कि पहले नई व्यवस्था 15 जुलाई से शुरू करने के आदेश मिले थे। नए निर्देशों के मुताबिक परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत समस्त शिक्षकों सहित 12 डिजिटल पंजिका रजिस्टरों को ऑनलाइन किया गया है। राज्य परियोजना निदेशक कंचन वर्मा की ओर से जारी नए आदेश से शिक्षकों में खलबली मची हुई है। स्कूल आने और जाने के दौरान शिक्षकों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने लिए यह कदम उठाया है। शासन ने शिक्षकों के साथ ही विद्यार्थियों की हाजिरी को ऑनलाइन दर्ज करने के आदेश दिए थे। इसके साथ ही स्कूल के 12 रजिस्टर को डिजिटल किया जाएगा। डीसी ट्रेनिंग हरगोविंद यादव ने बताया कि राज्य परियोजना निदेशालय से जारी आदेश में प्रेरणा पोर्टल पर डिजिटल रजिस्टर्स नाम से विकसित माड्यूल विद्यालयों में 12 रजिस्टरों को डिजिटल पंजिका में शामिल करने के निर्देश मिले हैं। जिसके लिए विद्यालयों के 2177 विद्यालयों में 4221 टैबलेट और सिम कार्ड का वितरण किया जा चुका है। हरगोविंद यादव ने बताया कि विद्यालयों में नेटवर्क की समस्या को देखते हुए शिक्षकों की मांग के अनुसार संबंधित कंपनियों का सिम दिया गया है।

किशोरी को नशीला पदार्थ खिलाकर बनाया अश्लील वीडियो

संवाददाता–गोंडा। थानाक्षेत्र के एक गांव में अंबेडकरनगर जिले से रिश्तेदारी में आए युवक ने कुछ महिलाओं व मित्रों के सहयोग से किशोरी को नशीला पदार्थ खिलाकर अश्लील वीडियो बना लिया। कुछ दिन बाद परिवार को धमकी देकर लड़की की शादी अन्यत्र नहीं करने का दबाव बनाया जाने लगा। पीड़ित के पिता की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ अश्लील वीडियो बनाने, छेड़खानी सहित धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित किशोरी के पिता ने बताया कि आरोपियों की उनके गांव में रिश्तेदारी थी इसलिए उनका आना जाना घर में लगा रहता था। उसने अपनी पुत्री का विवाह अन्यत्र तय कर रखा था। उसकी शादी वहां न होकर उनकी मनमर्जी के हिसाब से हो इसीलिए इन लोगों ने एक साजिश रच कर वीडियो बनाकर यह कांड किया है। पिता की तहरीर पर राम अनुज उर्फ पप्पू पुत्र राम चेत पाल निवासी मिठेपुर थाना इब्राहिमपुर जनपद अंबेडकर नगर तथा गीता देवी, गुड़िया, घीसू ,रामपाल , पवन पाल के विरुद्ध अश्लील वीडियो बनाना तथा छेड़खानी सहित धमकी देने का मुकदमा पुलिस ने दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय ने बताया मुख्य आरोपी राम अनुज उर्फ पप्पू को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया गया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बाढ़ का जायजा लेने ट्रैक्टर–ट्रॉली और नाव से सोहगीबरवा पहुंचे डीएम–एसपी

संवाददाता–महराजगंज। बाल्मिकिनगर बैराज से 4.36 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज करने से बाढ़ से घिरे दियारा के गांव सोहगीबरवा, शिकारपुर व भोतहा का निरीक्षण करने के लिए रविवार को डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना नाव नाव व ट्रैक्टर–ट्राली से पहुंचे। ट्राली पर सुरक्षा व राजस्व कर्मियों के अलावा डीएम के अन्य सहयोगी स्टाफ मौजूद रहा। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने के बाद डीएम प्रभावी राहत कार्य के क्रियान्वयन का निर्देश दिया। गंडक नदी के दियारा में बसे सोहगीबरवा जाने के लिए डीएम व एसपी अपनी गाड़ी से कुशीनगर जिला से होते हुए बिहार के पश्चिम चंपारण जिला के नौरंगिया क्षेत्र के रोहुआ नाला के समीप पहुंचे। नारायणी नदी का जलस्तर बढ़ने से राहुआ नाला भी उफान पर है। इससे चारों तरफ बाढ़ का पानी फैल गया है। सड़कें पानी में डूब गई हैं। डीएम–एसपी प्रशासनिक अफसरों व मेडिकल टीम से नाव से रोहुआ नाला पार कर सोहगीबरवा जाने के लिए उसके दूसरे छोर पर पहुंचे। वहां से ट्रैक्टर–ट्राली से चार किमी की यात्रा कर डीएम व एसपी सोहगीबरवा पहुंचे। कुछ डीएम ने खुद ट्रैक्टर चलाया। डीएम व एसपी ने सोहगीबरवा, शिकारपुर, व भोतहा गांव का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों से दोनों अधिकारी मिले। उनकी समस्या पूछा। प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया। एनडीआरएफ टीम को भी बुलाया। उनसे बात की। डीएम ने एसडीएम निचलौल को निर्देशित किया कि बाढ़ से इन तीनों क्षेत्र के लोगों को कोई परेशानी नहीं उठानी पड़ी।

सोहगीबरवा, शिकारपुर व भोतहा गांव के लोगों ने डीएम को बताया कि बरसात के दिनों में सर्प व बिच्छू के डंक से कई लोगों को जान को खतरा हो जाता है। कुछ की मौत भी हो जाती है। गांव में इलाज का मुकम्मल इंतजाम नहीं है। स्वास्थ्य कर्मी रहते भी नहीं हैं। बिहार के नौरंगिया व अन्य जगहों पर इलाज कराने जाना पड़ता है। इस डीएम ने एसडीएम को निर्देश दिया कि यहां के लोगों के इलाज व उनकी जीवन रक्षा से जुड़ी सभी मेडिसीन उपलब्धा रहनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि वह मेडिकल स्टाफ टीम बनाकर गांव में कैंप कराएं। जिससे लोगों को इलाज की सुविधा मिल सके। बाढ़ के समय सोहगीबरवा पहुंचने पर डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना को अपने बीच पाकर बाढ़ पीड़ित निहाल हो गए। ब्रह्मा यादव, ईश्वर चंद, डॉ. नागेन्द्र पांडेय ने कहा कि आप दोनों पहले अफसर हैं जो बाढ़ के समय आए हैं। इसके पहले न तो कोई भी डीएम और ना ही कोई जनप्रतिनिधि बाढ़ के समय आया है। इस दौरान सोहगीबरवा थानाध्यक्ष नीरज राय, एसआई भोला पाचान, सोहगीबरवा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामदरस कुशवाहा,भोथहा ग्राम प्रधान रंजीत राय, शिकारपुर ग्राम प्रधान लल्लन यादव, रोजगार सेवक वीरेंद्र प्रसाद, प्रभुनाथ, ब्रह्मा यादव, रंजन, ईश्वर यादव, रामदुलारे साहनी, राम संवारे निषाद, अच्छेलाल गुप्ता व निचलौल सीएचसी के डॉक्टर व मेडिकल स्टाफ की टीम उपस्थित रही।

सोहगीबरवा थाना पर डीएम व एसपी बैठ लोगों से संवाद किया। ग्रामीणों ने बताया कि सोहगीबरवा के कठबासी टोले में कई घरों में पानी घुस गया है,वही इस क्षेत्र के कई टोलो का आपस मे संपर्क कट चुका है। कुशीनगर के चार ग्राम सभाओं का मुख्य बाजार सोहगीबरवा ही है। कोई भी दवा या सामान लाना हो तो सोहगीबरवा ही आना होता है। बाढ़ आ जाने के चलते हर गांव से सम्पर्क कट गया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि वर्ष 2021 में डेढ़ करोड़ की लागत से ढाई किमी लंबी सड़क स्वीकृत हुई। गैस एजेंसी से खुटहवा तक यह सड़क बननी है। वर्ष 2021 में ही टेंडर के बाद पीडब्ल्यूडी ने काम शुरू कराया, लेकिन कुछ दिन बाद काम को अधूरा छोड़ दिया गया। इससे सड़क अभी तक नहीं बन पाई है। डीएम ने बरसात के बाद सड़क को बनवाने का आश्वासन दिया। कहा कि इसके लिए शासन को चिट्ठी भेज दी गई है।

कुशल वैद्य और भजनानंदी संत थे गुरुदेव भगवान –महंत राजेंद्र दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी की प्रतिष्ठित पीठ रघुनाथ वैद्य मंदिर श्रृंगारहाट में श्री राम शरणदास वैद्य धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में ट्रस्ट के अध्यक्ष वेद मंदिर के पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज किस संयोजन में अयोध्या के प्रसिद्ध वैद्य पूर्वाचार्य महंत स्वामी रामशरण दास वैद्य महाराज 43 वीं पूण्यतिथि पूण्यतिथि पर अयोध्या और देश के कोने–कोने से आए संत महंत एवं शिष्यगणों ने श्री महाराज जी केचित्रपट पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया और उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। वैद्य मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि उनके गुरूदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। वह एक कुशल वैद्य भी रहे और इसी नाम से प्रसिद्ध हो गए। उन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। मठ के उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। सेवा को ही अपना धर्म बनाया। जीवन पर्यंत सेवा प्रकल्प के कार्यों से जुड़े रहे। मठ में गौ, संत, विद्यार्थी व आगंतुक सेवा सुचारू रूप से चल रही है। इस मौके पर वहद भंडारा प्रस्तावित रहा, जिसमें बड़ी संख्या में संत–महंत एवं भक्तगणों ने प्रसाद पाया। अंत में महंत राजेंद्र दास महाराज ने पधारे हुए संतों का स्वागत–सम्मान किया। पुण्यतिथि पर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, बावन मंदिर के महंत वैदेही बल्लभ शरण, सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास रामायणी महाराज के शिष्य डॉ. महेश दास, हरिद्वारी पट्टी महंत मुरली दास, विद्याकुंड महंत उमेश दास, बड़ाभक्तमाल महंत अवधेश दास, रामहर्षण कुंज महंत अयोध्या दास, आदि संत–महंत तथा भक्तगण उपस्थित रहे।

श्री राम भक्तों के लिए निर्मित हो रहा है श्री जानकी सदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या की प्रतिष्ठित पीठ श्री जानकी घाट बड़ा स्थान में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण महाराज के संयोजन में चक्रवर्ती सम्राट दशरथ जी के राजमहल बड़ा स्थान के महंत बिंदुग्द्याचार्य स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य महाराज के कर कमल द्वारा अयोध्या में आने–वाले श्रद्धालुओं के लिए फाइव स्टार से उच्च सुविधा वाले श्रीजानकी सदन नींव रखी गई। भारी वर्षा के बाद भी जानकी घाट बड़ा स्थान में संतों की उपस्थिति में अयोध्या में आने वाले आस्था मां श्रद्धालुओं को देखते हुए महंत जन्मेजय शरण महाराज ने यह निर्णय लिया कि भगवान श्री राम भक्त वत्सल हैं और अयोध्या में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु भक्ति भाव से आता है लेकिन उसे भेदभाव का सामना करना ऐसा ना हो इसके लिए श्री जानकी सदन कि नींव आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वितीय तिथि को रखी गई है और शीघ्र ही निर्माण पूरा होगा जिसमें श्रद्धालु सभी प्रकार की सुविधा का आनंद लेंगे और प्रभुश्री राम के साथ अयोध्या में रुक कर सभी मंदिरों में दर्शन पूजन करेंगे।

बिंदुग्द्याचार्य स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य महाराज ने बताया कि जानकी घाट बड़ा स्थान श्री किशोरी जी का स्थान है और उनके स्थान में किसी चीज की कमी नहीं होती है इसीलिए श्री किशोरी जी राम जी के भक्तों के लिए श्री जानकी सदन का निर्माण महंत जन्मेजय शरण द्वारा करवा रही है। इस अवसर पर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, बड़ा भक्तमाल के महंत अवथेश कुमार दास, हनुमानगढ़ी के महंत राम कुमार दास, महंत भानुदास, रामयणी रामशरण दास, अयोध्या तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज,डॉ रत्नेश, अभय और शिव शंकर उपस्थित रहे।

अयोध्या में भगवान श्री राम के कुल देवता की हुई प्राणप्रतिष्ठा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम के कुल देवता श्री रंगराघव भगवान का संत शिरोमणि संत गोपाल दास जी महाराज के पूर्ण स्मृति में ऋण मोचन घाट स्थित नवनिर्मित श्री संत गोपाल मंडपम में हुई प्राण प्रतिष्ठा। नव दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रीसंत गोपाल मंडपम के पिठाधिपति स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज किस संयोजन में हो रहा है और यह महोत्सव श्रीकाञ्ची प्र.भ. जगद्गुरु गादिस्वामि श्रीनिवासाचार्य जी महाराज काञ्ची पुरी की अध्यक्षता की अध्यक्षता में संपन्न कराया जा रहा है। स्वामी कूरेशाचार्य जी महाराज ने बताया कि 30 जुलाई से प्रारंभ हुए महोत्सव के मुख्य यजमान इंद्रपाल सिंह सहित पूरे देश से वैदिक विद्वानों प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराया गया और ठाकुर जी के जन्म के बाद वह बड़े हो जाते हैं तो रविवार की रात्रि में श्री रंग राघव भगवान का कल्याण महोत्सव विवाह संपन्न होगा जिसमें भी सभी संतों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि अयोध्या के कुल देवता श्री रंग नाथ भगवान है उन्हीं को पुनः श्री रंग राघव भगवान के रूप में अयोध्या में प्रतिष्ठित किया गया और अयोध्या के जितने भी राजा हुए सभी के कुल देवता श्री रंग राघव भगवान ही थे। उन्होंने बताया कि मां सरयू के पूजन के साथ यह महोत्सव सोमवार को संपन्न होगा।

द श्रीमद् भागवत कथा के समापन सत्र में श्रीमज्जगदद्गुरु स्वामि वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर जी महाराज ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा अमृत है और इस कलयुग में तो निश्चित ही इसका आयोजन प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए श्रवण करना चाहिए और अगर आयोजन न कर सके तो जहां आयोजन हो रहा हो मन लगाकर श्रवण करें तो निश्चित ही उसका कल्याण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि योग योगेश्वर मायापति भगवान कृष्ण की रची हुई लीला को उन्होंने स्वयं समाप्त किया पृथ्वी से सभी कार्य संपन्न करने के बाद वह स्वयं भी गोलोक में निवास करने के लिए चले गए राजा परीक्षित का शासन हुआ और उनके शासन को कई वर्ष व्यतीत हो जाने के बाद कलयुग का प्रवेश हुआ और कलयुग भी श्रीमद् भागवत कथा जहां होती है वहां निवास नहीं करता है इसलिए यह कथा अमृत है और इस सप्त दिवसीय आयोजन में अयोध्या ही नहीं बल्कि देश के विद्वतजन सम्मिलित हुए आनंद की वर्षा हुई और निश्चित ही जब अयोध्या में श्रीमद् भागवत की कथा होती है तो आनंद की ही वर्षा होती है। कथा विश्राम के बाद आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

भगवान जगन्नाथ के जयकारे से गूंजा बड़हरा महंथ

संवाददाता–महराजगंज। क्षेत्र के ग्रामसभा बडहरा महंथ में 238 वर्ष पूर्व स्थापित प्राचीन जगन्नाथ मंदिर से जगन्नाथपुरी उड़ीसा की तरह रविवार को श्रद्धालुओं द्वारा गगनभेदी जयकारे के साथ भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। पंद्रह दिनों के एकांतवास में विश्राम के पश्चात आषाढ शुक्ल द्वितीया को भगवान जगन्नाथ ने भक्तों को दर्शन दिया। भगवान को रथ पर आसीन करने के पूर्व मठाधीश महंथ संकर्षण रामानुज दास, मठ के उत्तराधिकारी बृजेश रामानुज दास, दुर्गेश मिश्रा व अन्य पुजारियों द्वारा मंदिर के गर्भगृह में सर्वऔषधि व गुलाबजल मिश्रित 108 घड़ों के जल से भगवान को स्नान कराया गया। ठीक अपराह्न 12 बजे मंगल आरती के बाद पट को भक्तों के दर्शनार्थ खोला गया। नंदीघोष लकड़ी के रथ पर भगवान जगन्नाथ को बहन सुभद्रा व भाई बलराम के साथ विराजमान करने के बाद रथयात्रा प्रारंभ की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ को आस्था के साथ अपने कंधों पर खींचना शुरू किया। समूचा माहौल भक्ति–भाव में सराबोर हो गया। अबीर–गुलाल के साथ रथयात्रा में शामिल महिलाएं मंगलगीत गा रही थीं। यात्रा में शामिल विभिन्न देवी देवताओं की मनोरम झांकियां रथयात्रा को शोभायमान कर रही थीं। क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण करने के उपरांत रथयात्रा हिरणी नदी से वापस बरवां दिगंबर नहर पर पहुंचा। जहां आयोजित मेले में देवमिलन के पश्चात शोभायात्रा का समापन किया गया। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह में भगवान को चांदी के सिंहासन पर आरूढ़ कराया गया। इस दौरान रामवचन चौहान, अनिरुद्ध, रूदल, धर्मेंद, सदानंदन, गोविंद, ईश्वर मिश्र, पारस तिवारी, इंद्रजीत, रमाशंकर, नरेंद्र, प्रदीप, मोहन, रामकुमार सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। रथ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में प्रभारी निरीक्षक कोठीभार अखिलेश सिंह के साथ निचलौल, सिंदुरिया, महिला कॉस्टेबल, फायर सर्विस व एक प्लाटून पीएसी के जवान मुस्तैद रहे।

लोकोशेड में करंट से टेक्नीशियन की मौत, हंगामा

संवाददाता–गोंडा। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा लोकोशेड में रविवार को काम के दौरान करंट की चपेट में आने से टेक्नीशियन की मौत हो गई। जानकारी होते ही वहां काम कर रहे अन्य रेल कर्मियों ने अफसरों को जानकारी दी। साथ ही टेक्नीशियन को रेलवे अस्पताल पहुंचाया। जहां देखते हुए चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से गुस्साए रेल कर्मियों ने अफसरों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नाराज कर्मी मौके पर आला–अफसरों को बुलाने को की मांग कर रहे थे। आरपीएफ और सिविल पुलिस ने किसी तरह से समझा–बुझाकर कर्मियों को शांत कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। उधर, लखनऊ मंडल के डीआरएम आदित्य कुमार ने घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित की है। रेलवे अफसरों के मुताबिक बलरामपुर जिले के कौवापुर का नजिम अंसारी पुत्र शब्बीर अंसारी लोकोशेड में टेक्नीशियन थर्ड के पद पर कार्यरत था। रविवार सुबह वह विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर वाशिंग पिट पर काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि लगातार हुई मूसलाधार बारिश के चलते वाशिंट पिट पर नीचे पानी भरा था। पानी उतरे करंट की चपेट में आकर नाजिम झुलस गया। उसकी चीख–पुकार सुनकर अन्य रेल कर्मी मौके पर पहुंचे। किसी तरह से बिजली सप्लाई बंद करके उसे बाहर निकालकर फौरन रेल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, अस्पताल पहुंच रेल यूनियन के पदाधिकारियों अफसरों के खिलाफ नारेबाजी करनी शुरू दी। घटना की सूचना से रेलवे अफसरों में खलबली मच गई। रेलवे अस्पताल के चिकित्सक डॉ. एसके मिश्रा ने बताया कि रेलकर्मी को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उधर, घटना की सूचना पाकर बलरामपुर से उसके परिजन भी रोते–बिलखते मौके पर पहुंच गए। आरपीएफ इंस्पेक्टर नरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि रेलकर्मी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पति ने वाराणसी में की आत्महत्या, खबर सुनकर गोरखपुर में छत से कूदकर पत्नी ने दी जान

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के मशहूर मनोरोग चिकित्सक डा. रामशरण श्रीवास्तव की बेटी संचिता श्रीवास्तव ने छत से कूदकर खुदकुशी कर ली। इसके ठीक पहले पिता और पत्नी वाराणसी जाने की तैयारी कर रहे थे जहां एक होटल में संचिता के पति हरीश के फांसी लगाकर खुदकुशी कर लेने की खबर उन्हें मिली थी। इसी दौरान संचिता अचानक दौड़कर छत पर गई और वहां से मौत की छलांग लगा दी। मशहूर डॉक्टर की बेटी और दामाद की खुदकुशी ने लोगों को सन्न कर दिया। दो साल पहले ही दोनों की शादी हुई थी।

गोरखपुर के सिविल लाइंस पार्क रोड पर डा. राम शरण श्रीवास्तव का आवास है। उनकी बेटी संचिता कुछ दिन पहले ही मायके आई थी। हरीश पटना के बाढ़ का रहने वाला था। मिली जानकारी के अनुसार दोनों वाराणसी के एक स्कूल में साथ पढ़े थे। बड़े होने पर भी उनकी दोस्ती का रिश्ता बरकरार रहा। हरीश ने जम्मू से एमबीए किया था। उसने कुछ समय तक मुंबई के एक बैंक में नौकरी भी की। दोनों की शादी के वक्त वह उसी बैंक में कार्यरत था लेकिन बाद में पत्नी की तबीयत खराब होने पर नौकरी छोड़कर घर आ गया। बताया जा रहा है कि नौकरी से अलग होने के बाद हरीश ने कई जगह कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पिछले कुछ समय से वह ससुराल में ही रह रहा था। सुसराल से अपने घर पटना जाने के लिए कहकर निकला था लेकिन पटना न जाकर वाराणसी चला गया। वहां शुक्रवार की रात आठ बजे के करीब उसने सारनाथ के पास एक होम स्टे में चेक इन किया।

शनिवार की रात में किसी बात से आहत होकर हरीश ने खुदकुशी कर ली। सारनाथ पुलिस ने रविवार की सुबह यह खबर डा. राम शरण और उनके परिवार को दी। दामाद की मौत की खबर सुनकर परिवार में मातम छा गया था। डा. राम शरण श्रीवास्तव वाराणसी जाने की तैयारी कर रहे थे कि इस बीच उनकी बेटी संचिता ने छत से कूद कर जान दे दी। मौत की सूचना मिलते ही गोरखपुर के इंस्पेक्टर कैंट रणधीर मिश्र पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। परिवारीजनों से बातचीत के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर कैंट ने बताया कि शनिवार की रात में डा. राम शरण के दामाद ने सारनाथ स्थित एक होटल में खुदकुशी कर ली थी। सारनाथ पुलिस की सूचना के बाद डा. राम शरण जाने की तैयारी कर रहे थे इस बीच बेटी ने छत से कूद कर जान दे दी है।

मजदूर को अगवा कर कराया बैनामा, दो हिरासत में

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के रहने वाले मनबढ़ों ने मजदूर अगवा कर भूमि बैनामा कर लिया। खोजबीन में जुटी पत्नी ने पुलिस से शिकायत की तो आरोपितों ने उसे छोड़ा। दो आरोपितों को हिरासत में लेकर पिपराइच थाना पुलिस पूछताछ कर रही है। पीड़ित परिवार की मांग है कि आरोपितों पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस कार्रवाई करे।

पिपराइच के गोपालपुर गांव में रहने वाला राजेश गौड़ मजदूरी करके परिवार की जीविका चलाता है। पत्नी किरन व तीन बच्चों के साथ कौआबाग रेलवे कालोनी में किराए पर कमरा लेकर रहता है। किरन का आरोप है कि गांव के बगल में रहने वाले दो युवकों ने तीन दिन पहले उसके पति को अगवा कर गांव में स्थित पुस्तैनी भूमि को बैनामा करा लिया। खोजबीन करने के बाद जब पति नहीं मिले तो उन्होंने पिपराइच थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस के सक्रिय होने पर आरोपितों ने उनके पति को शनिवार की दोपहर छोड़ा। आरोपितों को पुलिस ने हिरासत में लिया है लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं कर रही है। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोप की जांच कराई जा रही है। साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय अगस्त में खोलने की तैयारी

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र की भवन निर्माण समिति के दूसरे दिन की बैठक में अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में हुई। पूर्वाह्न दस बजे शुरू हुई यह बैठक अपराह्न करीब डेढ़ बजे तक चली। इस दौरान एजेंडे की विषय वस्तु के हर बिंदु पर गंभीर मंत्रणा की गयी। इसके साथ संग्रहालय के नव नियुक्त क्यूरेटर नेशनल म्यूजियम नई दिल्ली के सेवानिवृत्त पुराविद डा. संजीव सिंह की ओर से तैयार किए गए विजन डाक्यूमेंट में प्रस्तावित योजना का तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय ने भौतिक सत्यापन किया।

इसके साथ अगस्त माह से डिजिटल गैलरी से आम श्रद्धालुओं के लिए खोलने की तैयारी भी चल रही है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय को अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार विकसित करने की योजना पर मंथन चल रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग की यह बिल्डिंग काफी मजबूत है और इसमें पर्याप्त जगह है। इसके कारण इसमें आंतरिक साज–सज्जा के लिए पुनर्निर्माण के तहत आवश्यक सिविल वर्क कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय में प्रदर्शित वस्तुएं महज नुमाइश न हो बल्कि शैक्षिक व बहुउद्देशीय हों, इस दृष्टि से भी विचार हो रहा है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय को अन्तर्राष्ट्रीय स्वरुप देने के लिए कार्यदाई संस्था यूपीआरएनएन का चयन किया गया है जबकि आर्किटेक्चर (वास्तु) के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट को नामित किया गया है जबकि तकनीकी परामर्श व अनुरक्षण के लिए भारत सरकार की संस्था इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) को जिम्मेदारी दी गई है।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से बनवाई गयी डिजिटल गैलरी का निर्माण 2018–19 में ही तैयार हो गया था लेकिन यह गैलरी आम श्रद्धालुओं के लिए नहीं खोली जा सकी। इसमें रामायण व अयोध्या के ऐतिहासिक संदर्भ को समायोजित करते हुए 20–20 मिनट के चार एपिसोड तैयार किए गये है। थ्री डी पर आधारित इस फिल्म का प्रदर्शन चार अलग–अलग गैलरियों में किया जाएगा। यह भी बताया गया कि भारत सरकार के सहयोग से विज्ञान विभाग हनुमान जी के जीवन पर सेवन डी तकनीक आधारित फिल्म का निर्माण शुरू किया गया है। इसके निर्माण में पांच–छह माह लगेंगे। यह फिल्म भी रामकथा संग्रहालय की गैलरी में प्रदर्शित की जाएगी।

गड्ढों में तब्दील हुआ खड़ंजा मार्ग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत मितरीडीह के खुलासपुर में खड़ंजा मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गया है। राहगीर गड्ढों में गिरकर घायल हो जाते हैं। ग्रामीणों ने मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की है।

एसडीओ विद्युत सौरभ सिंह का तबादला

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। विद्युत वितरण खंड आलापुर के सब स्टेशन मकोइया–बसखारी से संबद्ध एसडीओ सौरभ सिंह का लखनऊ के लिए स्थानांतरण हो गया है। जेई मुन्ना यादव की अगुआई में जेई औंझीपुर रवीन्द्र कुमार पाल, सुपरवाइजर अंकित सिंह, एसडीओ मीटर सत्यनारायण थारू, अमित कुमार चतुर्वेदी, अरुण कुमार, प्रमोद चौहान, ज्ञानचन्द्र वर्मा, विनीत दुबे, विकास यादव, अनुरुद्ध कुमार समेत अन्य कर्मचारियों ने स्थानांतरित हुए एसडीओ श्री सिंह को माला पहना कर विदाई दी।

बाढ़ का खतरा मंडराया, कुसुम बैराज के सभी फाटक को नेपाल ने खोला

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नेपाल में भारी बारिश तबाही मचा रही है। नेपाल से आने वाली नदियों में तेजी से पानी बढ़ रहा है। इसी बीच नेपाल में बलरामपुर जिले के पास कुसुम बैराज के सभी फाटक को खोल दिया है। जिससे जिले की बुक राप्ती नदी में पानी का दबाव तेजी से बढ़ेगा और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जानकारी के अनुसार, नेपाल में भारी बारिश के बाद बलरामपुर जनपद के तहत पढ़ने वाले कुसुम बैराज के सभी फाटक को इसलिए नेपाल ने खोल दिया क्योंकि पानी का इतना दबाव था कि बैराज भी जो है क्षतिग्रस्त हो जाता। देर शाम ही फाटक खोल दिया गया है। इससे बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और दो दिन में गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज की करमैनी नदी में जलस्तर में एकाएक वृद्धि होने का अनुमान है। जिससे बात पर दबाव पड़ेगा और टूटने जैसे हालात उत्पन्न हो सकते हैं। इसके अलावा नेपाल से आने वाले जिले की अन्य नदियों में भी पानी का दबाव तेजी से बढ़ रहा है। बाढ़ का खतरा जिले में मडवाने लगा है।

नाली की धनराशि डकार गए जिम्मेदार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। टांडा विकासखंड के आलमपुर धनौरा ग्राम पंचायत के पूरा खड़ग दास में जल निकासी नाली का निर्माण चार साल बाद भी नहीं पूरा हो सका। नाली निर्माण न होने से गंदा पानी खड़ंजा पर बह रहा है। आवागमन में लोगों को कीचड़ का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण की धनराशि जिम्मेदार डकार गए।

तालाब भूखंड से अतिक्रमण हटवाने की मांग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जलालपुर तहसील क्षेत्र के सैरपुर उमरन में सभी तालाबों पर लेखपाल की शह पर दबंगों से खेती करायी जा रही है। यहां गांव में करीब सौ बीघा क्षेत्रफल में तालाब है। इस तालाब में गांव के पशुओं को लोग चराते थे लेकिन उस पर दबंग अवैध कब्जा कर खेती कर रहे हैं। इस अतिक्रमण के संबंध में ग्रामीणों ने शिकायत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वाल्मिकी नगर बैराज से गंडक में छोड़ा दो लाख 80 हजार क्यूसेक पानी

संवाददाता–गोरखपुर। नेपाल में हो रही बारिश का असर अब जिले के सभी नदियों में दिखने लगा है। हर दिन रात्ती से लेकर गोर्रा, कुआनो, घाघरा और रोहिन नदी के जलस्तर धीरे–धीरे बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि सभी नदियों के जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे हैं। राप्ती की बात करें तो एक दिन के अंदर 0.77 सेंटीमीटर अधिक नदी का जलस्तर बढ़ा है। वाल्मिकी नगर बैराज दो लाख 80 हजार क्यूसेक पानी गंडक में छोड़ा गया है। यह पहाड़ी नदी ज्यादा तबाही मचाती है। इतनी अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने से घाघरा के जलस्तर में तेजी देखी गई है। अयोध्या घाट पर इसका जलस्तर 91.600 मीटर दर्ज किया गया है। जबकि, एक दिन पहले 91.300 मीटर के आसपास जलस्तर था। यह नदी अयोध्या होते ही जिले में प्रवेश करती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गोला, उरुवा और बड़हलगंज में है। एक दिन पहले राप्ती नदी का जलस्तर स्थिर था, लेकिन 24 घंटे में 0.77 सेंटीमीटर से अधिक जलस्तर बढ़ गया है। हालांकि, यह खतरे के निशान से काफी नीचे है। वहीं, दूसरी तरफ मैदानी इलाकों में हुई बारिश का असर नदियों में नहीं दिखा है।

डेफ एशिया पैसेफिक चैंपियनशिप में खेलेंगी गोरखपुर की आदित्या यादव

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर की बैडमिंटन सनसनी आदित्या यादव ने मूकबधिर वर्ग के 10वीं एशिया पैसेफिक चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह प्रतियोगिता अक्तूबर महीने में तेहरान में होगी। बैडमिंटन में कुल 8 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। आदित्या भी प्रतियोगिता के एकल और युगल प्रतियोगिताओं में दमखम दिखाएंगी।

एशिया पैसेफिक चैंपियनशिप के लिए नई दिल्ली में विभिन्न खेलों के लिए ट्रायल था। बैडमिंटन के लिए आदित्या यादव समेत देश भर से 40 पुरुष व महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। ट्रायल के बाद चार पुरुष और चार महिला खिलाड़ियों का चयन किया गया। इनमें से एक आदित्या भी शामिल हैं। यह प्रतियोगिता 16 से 26 अक्तूबर तक ईरान के तेहरान में आयोजित होगी। एनईआर मुख्यालय के मुख्य सामग्री प्रबंधक कार्यालय में मुख्य कार्यालय अधीक्षक और रेलवे बैडमिंटन टीम के कोच दिग्विजयनाथ यादव की पुत्री आदित्या 14 वर्ष की हैं। महज तीन साल की उम्र में बैडमिंटन का रॉकेट थामने वाली आदित्या ने छोटी उम्र में बड़ी सफलता हासिल की है। महज 8 साल की उम्र में आदित्या पहली बार डेफ नेशनल चैंपियनशिप खेली थीं।

पहली बार में ही वह सीनियर वर्ग में सिंगल्स और डबल्स में विजेता बनीं। ब्राजील डेफ ओलंपिक 2022 के टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का अहम हिस्सा थीं। ब्राजील में ही डेफ वर्ल्ड चैंपियनशिप और थाइलैंड में आयोजित एशिया पैसिफिक चैंपियनशिप में दो–दो स्वर्ण समेत कुल दस पदक जीतने में सफल रही थीं। आदित्या नॉर्मल कैटेगरी के अंडर 19 में मिक्स और डबल्स में यूपी की नंबर एक खिलाड़ी हैं। सीनियर वर्ग के डबल्स में भी नॉर्मल कैटेगरी में वे यूपी की नंबर एक खिलाड़ी हैं।

आदित्या के चयन पर एनईआर के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह, राजित श्रीवास्तव, मंकेश्वर नाथ पांडेय, आरएसओ आले हैदर, संजीत प्रधान, चन्द्र विजय सिंह, अनिल कुमार, रेमी चन्द्रा, अजीत सिंह, संजय श्रीवास्तव, मदन चरण श्रीवास्तव, मंजय यादव आदि ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

रंगदारी न देने पर डॉक्टर के क्लीनिक पर की थी फायरिंग, गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर और देवरिया में डॉक्टर से रंगदारी मांगने और पुलिस टीम पर फायरिंग के मामले में दो साल से वांछित जिले के 50 हजार के इनामी को एसटीएफ लखनऊ और गोरखपुर यूनिट की संयुक्त टीम ने महाराष्ट्र के पनवेल से गिरफ्तार किया है। टीम उसे ट्रांजिट रिमांड पर गोरखपुर लेकर आ रही है। जिले के खामपार थानाक्षेत्र के बरवापट्टी गांव निवासी गौतम गौड़ पुत्र निर्मल गौड़ गोरखपुर के झंगहा थानाक्षेत्र के डॉक्टर से 25 लाख रुपये की रंगदारी और पुलिस टीम पर फायरिंग के मामले में दो साल वांछित था। एसटीएफ लखनऊ और गोरखपुर यूनिट की टीम उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में लगी थी।

इसी बीच टीम को गौतम के महाराष्ट्र में होने की सूचना मिली। इसके बाद एसटीएफ लखनऊ के डीएसपी धर्मेश कुमार शाही और गोरखपुर यूनिट के निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह के नेतृत्व में टीम वहां पहुंची और महाराष्ट्र पुलिस की मदद से उसे चार जुलाई को थाणे जिले के पनवेल थानाक्षेत्र के बदलापुर से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ ने बताया कि गौतम ने आठ सितंबर 2022 को गोरखपुर के झंगहा क्षेत्र के गोबड़ौर निवासी डॉ. संतराज गुप्ता को फोन कर 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। धमकी दी थी कि 25 लाख रुपये नहीं दिए तो उनके बेटे को गोली मार देगा।

डॉक्टर से कोई प्रतिक्रया नहीं मिलने पर गौतम ने अपने तीन साथियों के साथ डॉक्टर के घर पर फायरिंग कर दी। बाद में डॉक्टर की सूचना पर पुलिस ने चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ झंगहा थाने में केस दर्ज किया था। बताया जा रहा है कि डॉक्टर के साथ मिलकर पुलिस ने गौतम और उसके साथियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया था। पुलिस के कहने पर डॉक्टर ने रुपये देने के लिए बदमाशों को एक जगह पर बुलाया था। बदमाश जैसे ही वहां पहुंचे, पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए सामने आ गई। इस दौरान मुठभेड़ में तीन बदमाश पकड़ लिए गए थे, जबकि गौतम पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भाग निकला था। एसटीएफ ने बताया कि आरोपी गौतम ने पूछताछ में बताया कि डॉक्टर के देवरिया निवासी साढ़ू जितेंद्र गुप्ता के कहने पर रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न देने पर जान से मारने की नीयत से घर पर चढ़कर फायरिंग की थी। इस वारदात के बाद गौतम मुम्बई भाग गया था। दो साल से वहीं छिपकर रह रहा था।

गौतम पर गोरखपुर के झंगहा, देवरिया के खामपार व बनकटा थाने में कुल सात केस दर्ज हैं। इसमे बनकटा थाने में दुष्कर्म, खामपार थाने में हत्या का प्रयास, एनडीपीएस और सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज हैं। झंगहा थाने में रंगदारी समेत हत्या के प्रयास के तीन केस दर्ज हैं।

सर्पदंश से अधेड़ की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के रामपुर छितौनी निवासी एक व्यक्ति की शनिवार की शाम सर्पदंशः से हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने सीएचसी हैंसर बाजार पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

रामपुर छितौनी निवासी राममिलन (53) पुत्र देव हरख यादव शनिवार को भैंस चराने गए थे। गांव के पास स्थित बाग में वह घास के बीच पैर से आम खोज रहे थे। इसी दौरान घास में बैठे जहरीले जंतु ने उनको काट लिया। जिससे उनकी हालत बिगड़ने लगी। मुंह से झाग आने लगा। परिजनों ने उन्हें सीएचसी हैंसर बाजार पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मेडिकल छात्रों ने दुकान में की तोड़फोड

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के सामने वाली गली में एक बिरयानी की दुकान पर बाइक खड़ा करने और पास में ही बाइक से टक्कर होने पर हंगामा हो गया। मेडिकल छात्रों ने सड़क पर उत्पात मचाया और एक बाइक सवार को पीट दिया। उत्पाती छात्रों ने बिरयानी की दुकान में तोड़फोड़ की। बाद में पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। जानकारी के मुताबिक,बाबा राघव दास मेडिकल कालेज के सामने चंद्रा पैथोलॉजी के बगल की गली में एक बिरयानी की दुकान है। बीआरडी का एक मेडिकल छात्र बिरयानी खाने गया था। बाइक दुकान के सामने खड़ा करने की दो दुकानदार ने थोड़ा किनारे खड़ा करने की सलाह दी तो मेडिकल छात्र को बात नागवार लग गई।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2024–108 दिनांकः 06.07.2024

–: अति0 अल्पकालीन ई–निविदा सूचना :–

निम्न कार्यो की निविदा पत्रांक 545 दिनांक 10.01.2024, पत्रांक 575 दिनांक 06.02.2024, पत्रांक 600 दिनांक 15.02.2024, पंजीकृत 614 पत्रांक 23.02.2024, पत्रांक 712 दिनांक 14.03.2024, पत्रांक 60 दिनांक 14.06.2024 एवं पत्रांक 81 दिनाँक 25.06.2024 के माध्यम से मण्डी परिषद एवं सरकारी विभागों /कार्यदायी संस्थाओं में पंजीकृत (लो०नि०वि०, आर०ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, यू०पी०पी०सी०एल०) में पंजीकृत एवं वित्तीय रुप से सुदृढ प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों/फर्म से अलग–अलग तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांक 03.07.2024 को अपरान्ह 4.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड किये जाने हेतु आमंत्रित की गयी थी, जो उसी दिन अर्थात दिनांक 03.07 2024 को अपरान्ह 4.30 बजे खोली जानी थी। निविदा निर्धारित तिथि एवं समय पर आनलाइन खोली गई, जिसमें कोई निविदा न प्राप्त होने के कारण सम्बन्धित कार्य की निविदा, पुनः ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 15.07.2024 को आमंत्रित की जाती है, जो अपरान्ह 04.00 बजे तक डाउनलोड़ कर अपलोड की जा सकती है, जो उसी दिन निविदाता ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों (यदि उपस्थित हुए) के समक्ष दिनांक 15.07.2024 को अपरान्ह 4.30 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आनलाइन खोली जायेगी। निविदा की तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने पर वित्तीय बिड खोली जायेगी।

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1		3	4	5	6	7	8		9
30	शोहरत गढ़	न0सं0मार्ग खुनवा शोहरतगढ़ मुख्य मार्ग से रमवापुर तिवारी गॉव तक। 2023_RKUMP_872743_9	46.75	4.35	8300.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
31	शोहरत गढ़	न0सं0 मार्ग सेहूणी से पलिया सिसवा तक। 2023_RKUMP_872744_9	39.68	4.00	7100.00	03	90	"द"	अ, ब, स, द

नोटः–

(1) धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

(2) निविदादाता द्वारा अपलोड किये गये प्रपत्रों में से यदि कोई भी प्रपत्र फर्जी पाया जाता है तो ऐसे निविदादाता द्वारा मण्डी परिषद के खाते में जमा जमानत धनराशि को मण्डी परिषद के खाते में जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

(3) मण्डी परिषद मुख्यालय के आदेश पत्रांक मु0अभि0ग्रेड–2/(1168)/भाग–4/2005) /2022–641 दिनांक 11.08.2022 एवं पत्रांक 217 दिनांक 29.05.2023 एवं परिषद पत्रांक 487 दिनांक 11.07.2023 के अधीन 'अ' एव 'ब' श्रेणी मे मण्डी परिषद के अतिरिक्त अन्य सरकारी विभागों/कार्यदायी संस्थाओं (लो०नि०वि०, आर0ई0डी0, यू0पी0आर0एन0एन0, यू0पी0पी0सी0एल0) में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार निर्धारित नियमों के अनुरूप ही प्रतिभाग कर सकेंगे। पी0डब्लू0डी0, आर0ई0डी0, यू0पी0आर0एन0एन0, व यू0पी0पी0सी0एल0)विभाग 'अ' श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार "अ" व "ब" श्रेणी के कार्य में तथा "ब" श्रेणी में पंजीकृत फर्म "ब" श्रेणी के कार्य की निविदा में प्रतिभाग कर सकते है। अन्य श्रेणी के कार्यो में प्रतिभाग करने पर निविदा प्रथम दृष्टया निरस्त कर दी जायेगी।

(4) अन्य सरकारी विभागों मे पंजीकृत ठेकेदारों की निविदा प्रथम न्यूनतम आती है तो उन्हें मण्डी परिषद में पंजीकरण कराना होगा तथा अनुबन्ध गठन के समय 10 प्रतिशत अतिरिक्त धरोहर धनराशि जमा करनी होगी।

(5) विस्तृत नियम व शर्तें आर्नेलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

उप निदेशक (निर्माण)

सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र में अलग–अलग हुई दो मार्ग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के किशुनपुर निवासी सहदेव (32) पुत्र राममिलन शनिवार की रात करीब 8रू00 बजे धनघटा से अपनी मोटरसाइकिल पर गैस सिलेंडर बांधकर घर जा रहे थे। धनघटा–कलवारी मार्ग अभी निहैला पुलिया के आगे पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सहदेव को सीएचसी हैसर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरा हादसा लहुरेगांव गांव में हुआ। धनघटा–उमरिया मार्ग पर बकाउल्लाह (50) पुत्र बाबुल्लाह शनिवार की रात लगभग 9रू00 बजे अपने घर के पास सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे वाहन ने उन्हें ठोकर मार दिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायल को हैंसर सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बकाउल्लाह के मौत की सूचना पर पत्नी सायरा खातून का रो–रो कर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के संबंध में तहरीर नहीं मिली है। मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com